174

6.4.16

❀ सुख ❀

शरीर से "सुख" कभी प्राप्त नहीं किया जा सकता है, क्योकी शरीर "अजीव पदार्थ" है।

बाबा स्वामी
6/4/2016

7.4.16

❀ सुख ❀

सुख को प्राप्त करने के लिये हमे "आत्मा" के सानीध्य मे ही आखीर जाना होगा। कब ? यह आप पर ही निर्भर है।

बाबा स्वामी
7/4/16

8/4/16

❀ आत्मा ❀

"आत्मा" "शरीर" के साथ केवल एक "सांस" के साथ बंधी होती है।

बाबा स्वामी
8/4/16

"गुड़ीपाड़वा" पर खुब खुब आशिर्वाद.

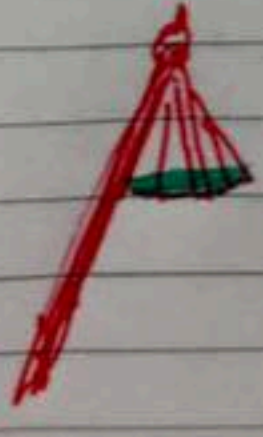

बाबास्वामी

10.4.16

❀ आत्मा ❀

आप दिन मे कितनी "सांसे" लेते है। वह महत्वपुर्ण नही है। महत्वपुर्ण है, आप वर्तमान मे रह कर कितनी सांसे लेते है।

बाबा स्वामी
10/4/16

13.4.16

❀ आत्मा ❀

"आत्मा" आपका सबसे बड़ा मार्गदर्शक होता है।

बाबास्वामी
13.4.16

189

16.4.16

आत्मा

"आत्मा" को समर्पण के बाद जिवन आत्मभाव मे ही व्यतीत होना है।

बाबा स्वामी
16/4/16

190
17.5.16

आत्मा

आत्मभाव मे जिवन
व्यतीत होने के बाद
"आत्मा" का प्रभाव
शरीर से प्रगट होने
लगता है।

बाबास्वामी
17|5|16